Roll No : ....

Total No. of Questions : **12**]   [Total No. of Printed Pages : **4**

A–216

B.A. (Part–III) DUE Part–II Examination, 2021

SANSKRIT

Paper - I

(नाटक, छन्द, संस्कृतसाहित्येतिहास एवं व्याकरण)

Time : 1½ Hours]   [*Maximum Marks : **100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 8 × 5 = 40)**

Note :– Answer any *five* questions out of seven (Answer limit **200** words). Each question carries **8** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

Section–C **(Marks : 20 × 2 = 40)**

Note :– Answer any *two* questions out of four (Answer limit **500** words). Each question carries **20** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

1. समस्त दश प्रश्नानामुत्तराणि लिखत।

   (i) अभिज्ञानशाकुन्तले कति अंका: सन्ति ?

   (ii) कालिदासस्य विषये प्रसिद्धोक्ति: का ?

   (iii) 'किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्'

   सूक्तिरियं कालिदासस्य कस्यां रयनायां लिखिता ?

   (iv) अभिज्ञानशाकुन्तले 'अभिज्ञान' इति शब्दस्य संकेत: कुत्र ?

   (v) अभिज्ञानशाकुन्तलस्य विदुषकस्य नाम किम् ?

   (vi) रसै: रुद्रै: इति यति कस्मिन् छन्दसि आयाति ?

   (vii) कयोश्चिद् द्वयो: पदयो: प्रमुख सूत्र निर्देशपूर्वकं प्रकृति-प्रत्यय विभाग: कार्य:

   (अ) चेतव्य:

   (ब) भूतवान

   (स) रमणीयत्वम्

   (viii) द्वयो: सूत्रयो: व्याख्या करणीया:

   (अ) वयसि प्रथमे

   (ब) ऊडुत:

   (स) पुंयोगादाख्यायाम्

   (द) ल्युट् च

   (ix) गद्य साहित्ये कस्य पदलालित्यं प्रसिद्धम् ?

   (x) स्वप्नवासवदत्ते अङ्कानां कति संख्या अस्ति ?

खण्ड–ब **प्रत्येक** 8

केषञ्चित पञ्च प्रश्नानामुत्तराणि लिखत:

2. सप्रसंग अनुवाद: कार्य:

   (अ) ग्रीवाभङ्गाभिरामं मुहुरनुपतति स्यन्दने बद्धदृष्टि:

   पश्चार्धेन प्रविष्ट: शरपतनभयाद् भूयसा पूर्वकायम्।

दर्भैरर्धावलीढै श्रमविवृतमुखभ्रंशिभिः कीर्णवर्त्मा

पश्योदग्रप्लुतत्वाद् वियति बहुतरं स्तोकमुर्व्यां प्रयाति॥

(ब) यस्य त्वया व्रणविरोपणमिङ्गुदीनां

तैलं न्यषिच्यत मुखे कुशसूचिविद्धे।

श्यामाकमुष्टिपरिवर्धितको जहाति

सोऽयं न पुत्रकृतकः पदवीं मृगस्ते॥

3. (अ) गाहन्तां महिषा निपानसलिलं शृङ्गैर्मुहुस्ताडितं

छायाबद्धकदम्बकं मृगकुलं रोमन्थमभ्यस्तु।

विश्रब्धं क्रियतां वराहपतिभिमुस्ताक्षतिः पल्वले

विश्रामं लभतामिदं च शिथिलज्या बन्धमस्मद्धनुः॥

(ब) अयं स ते तिष्ठति संगमोत्सुको

विशङ्कसे भीरु! यतोऽवधीरणाम्।

लभेत वा प्रार्थयिता न वा श्रियं

श्रिया दुरापः कथमीप्सितो भवेत्॥

4. (अ) सतीमपि ज्ञातिकुलैकसंश्रयां

जनोऽन्यथा भर्तृमतीं विशङ्कते।

अतः समीपे परिणेतुरिष्यते

प्रियाऽप्रिया वा प्रमदा स्वबन्धुभिः

(ब) स्वप्नो नु माया नु मतिभ्रमो नु

क्लिष्टं नु तावल्फलमेव पुण्यम्।

असन्निवृत्यै तदतीत मेते

मनोरथा नाम तटप्रपाताः॥

5. (अ) विच्छित्तिशेषैः सुर सुन्दरीणां

वर्णैरमी कल्पलतांशुकेषु।

विचिन्त्य गीतक्षममर्थजातं

दिवौकसस्त्वच्चरितं लिखन्ति॥

(ब) तदेषा भवतः कान्ता त्यज वैनां गृहाण वा।

उपपन्ना हि दारेषु प्रभुता सर्वतोमुखी॥

6. कस्यचिदेकस्य छन्दस्य सोदाहरण लक्षणं दत्वा वर्णमात्रागणाः लघुः गुरुश्च प्रदर्शयत।

(i) वंशस्थ

(ii) शार्दूलविक्रीडित

7. चतुर्णाम् सूत्राणां सोदाहरणं व्याख्या कार्याः

(i) ईद्यति

(ii) ऋहलोर्ण्यत्

(iii) ल्युट् च

(iv) काल-समय-वेलासु तुमुन्

8. टिप्पणी द्वयं लेखनीयम्।

(i) कुमारसंभवम्

(ii) मुद्राराक्षसम्

(iii) हितोपदेशम्।

खण्ड–स प्रत्येक 20

कयोश्चिद् द्वयोः प्रश्नयोः उत्तरं लिखत।

9. अभिज्ञानशाकुन्तलानुसारं दुश्यन्तस्य चरित्र-चित्रणं कुरुत।

10. अभिज्ञानशाकुन्तलानुसारं चतुर्थ अंकस्य सारं लिखत।

11. रम्यारामायणी कथा इति सविस्तरं विवेचयत।

12. महाकविकालिदासस्य परिचयं ददतः तेन रचितानां नाटकानां नामानि लिखत।